Quarterly Progress Report

Jan 2008 to March 2008

District Seoni, MP

Integrated Nutrition and Health Project [INHP] - III

Project Implementing Organization
Community Development Centre
Bhatera Chouky,Balaghat 481 001 MP
cdcbgt@gmail.com

In Collaboration with
CARE India, Madhya Pradesh

Inside the QPR

- **Introduction**
- **AWC visits observation**
- **Sector Meeting**
- **Panchayat Meetings and Gram Sabha**
- **BLAC**
- **Tracking of Behaviors**
- **DIP Implementation Status**
- **NHD Observation**
- **SOW**

Annex

- **Paper cutting**
- **Copy of Dept. letters**
- **Proceeding of Gram Panchayats / Gram Sabha**

एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना –3 जिसे कि परियोजना का अंतिम चरण माना जा सकता है इस परियोजना का कियांन्वयन केयर मध्यप्रदेश के सहयोग से कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर के द्वारा सिवनी जिले में अप्रैल 2007 से संचालन फेज आउट रणनीति के तहत किया जा रहा है। रणनीतिक रूप से सितंबर 2007 में जिले के आठ में से छः ब्लाक से फेज आउट किया जा चुका है इस समय संस्था दो विकासखंड लखनादौन एवं छपारा में कार्य किया जा रहा है। विगत तीन माह में परियोजना के तहत किये गये कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिवेदन में दिये गये आंकडे परियोजना स्टॉफ के द्वारा केंद्र भ्रमण के दौरान संकलित किये गये हैं जिनका विश्लेषण कर प्रतिवेदन में प्रस्तुत किया जाता है। इन आंकडों को किसी भी रूप में स्थायित्व या परिवर्तनीय दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता और ना ही से आंकडे किसी परिवर्तन के रूझान को दिखा सकते हैं इनसे सिर्फ समझ विकसित की जा सकती है क्योंकि आंकडे बहुत ही कम केंद्रों और हितग्राहियों के व्यवहार अथवा केंद्र की सेवाओं को दर्शाते हैं।

विगत तीन माह के दौरान मुख्य रणनीति के तहत संस्था के द्वारा कार्य किया जा रहा है साथ ही भोपाल में हुई कार्यशाला के आधार पर तैयार कॉमन मिनीमम प्रोग्राम के अंर्तगत कार्यरत ब्लाक में अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने की दिशा मे निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं जिसे इस प्रतिवेदन में देखा जा सकता है।

विभिन्न स्तरों पर देखे जा रहे सुधार के परिणाम अलग अलग स्तर पर कुछ इस तरह है जैसे जिला स्तर पर नियमित जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक, कुपोषण पर चर्चा, आंकडों की समीक्षा, चिरंजीव परियोजना समीक्षा, अनटाईड फंड का उपयोग, संयुक्त समीक्षा एवं भ्रमण, परिणाम आधारित कार्ययोजना की समीक्षा आदि पर किये गये प्रयास नजर आते हैं।

इसी तरह ब्लाक स्तर पर सुनिश्चित दिन पर खंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठकों का आयोजन, किस के आकडों की समीक्षा, पंचायत सचिव बैठक में भागीदारी, आंगनवाडी केंन्द्र ग्रेडिग, आगनवाडी कार्यकर्ता का प्रशिक्षण, पंचायत प्रतिनिधि प्रशिक्षण, टीकाकरण के वितरण व्यवस्था की समिक्षा, पॅहुच विहीन ग्रामों का चिन्हांकन, अन्य संस्थाओ के साथ समन्वय, अन्य शासकिय योजनाओं मे सहयोग,स्वास्थ्य शिविर की योजना में सहयोग आदि गतिविधियों का कियांवयन कर अपेक्षित परिणाम की दिशा में प्रयास दिखाई देते हैं।

सेक्टर स्तर पर निश्चित दिन बैठक का आयोजन, मुददे आधारित बैठक, तकनीकी सत्रों का आयोजन, संयुक्त बैठक, ग्रेडिंग की समीक्षा, दस्तावेजों, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के आकडों की समीक्षा, आहार प्रदर्शन शिविर का आयोजन आदि पर प्रयास करने से ब्लाक पर पोषण स्तर में सुधार देखा जा रहा है। आगे के कार्यक्रम में सेक्टर को मॉडल के रूप में विकसित करने एवं फेज आउट ब्लाक में व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिये तीन ब्लाक पर एक कोआर्डीनेटर की व्यवस्था से परियोजना के सुचारू संचालन में उल्लेखनिय सफलता प्राप्त कि जा सकती है।

परियोजना और संस्था के प्रभाव को अन्य क्षेत्रों में भी देखा जा सकता है संस्था ने इस परियोजना में स्थानीय युवक युवतियों को जो कि किसी भी तरह स्वैच्छिक संस्थाओं के कार्यों से परिचित नहीं थे और ना ही उस तरह की दृष्टि रखते थे ना ही किसी विशिष्ट क्षमताओं और ज्ञान में दक्ष थे। इस परियोजना के साथ कार्य करते हुए इन युवाओं को सीखने समझने और अपनी क्षमताओं को बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ, इसी वजह से संस्था में कार्य कर चुके 9 स्टॉफ आज मध्यप्रदेश सरकार की आजीविका परियोजना में कार्य करने हेतु चयनित हुए हैं और मंडला डिंडौरी और श्योपुर जिले में कार्य कर रहे हैं जो कि संस्था और परियोजना के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि है।

ऑगनवाडी केन्द्र भ्रमण के अनुभव विकास खंड छपारा

ब्लाक में कुल 11 ऑगनवाडी केंन्द्रो का भ्रमण के दौरान ऑकलन किया गया जिसके अनुसार टीकाकरण पंजी–8 वृध्दि पंजी–5 गृहभेंट पंजी – 9, जन्म पंजी – 8 केंद्रो पर पूर्ण पाई गई एवं प्रचार प्रसार सामग्री का उपयोग – 8, मात्र सहयोगनी समिति की सहभागिता – 8, आशा वर्कर का जुडाव एवं सहयोग – 6, मंगल दिवस का नियमित आयोजन – 6, पंचायत प्रतिनिधियों की सहभगिता – 6, पोषण एवं स्वास्थ दिवस नियमित –9 केंन्द्रो में देखी गई।

ऑगनवाडी केन्द्र भ्रमण के अनुसार कुल 8 केन्द्र भ्रमण किये गये जिसमें से टीकाकरण पंजी 6 केन्द्रों पर पूर्ण पाई (भरगा एवं बढपानी में पूर्ण कराया गया) वृध्दि पंजी–4 केन्द्रों में पूर्ण थी तथा भरगा,बडपानी,पिपरिया खैरनरा मे अपूर्ण पाई गई। दो केन्द्रों पर उपलब्ध नहीं थी। गृहभेंट पंजी का उपयोग मात्र 3 केन्द्रों पर ही देखा गया (खैरनरा, लाटगाव, बढपानी मे उपयोग करवाया गया) आई.ई.सी. सामग्री का उपयोग 3 केन्द्रो पर हो रहा था (खैरनरा, लाटगाव, बढपानी में उपयोग करवाया गया) पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस 6 केन्द्रों पर नियमित देखा गया, सिमरिया में टीकाकरण के दौरान पोषण आहार नही बांटा जा रहा है। मातृ सहयोगिनी समिति की सहभागिता 6 केन्द्रों पर देखी गई (पिपरिया, खैरनरा में जुडाव नही देखा गया)। आशा कार्यकर्त्ताओ का जुडाव 4 केन्द्रों पर अच्छा देखा गया। मंगल दिवस का नियमित आयोजन 5 केन्द्रो पर देखा गया (सिमरिया, खैरनरा, पिपरिया नियमित नही हो रहा है)

आंगनवाडी केंद्रों का भ्रमण एक महत्वपूर्ण गतिविधि है जिसके माध्यम से सेवाओं की उपलब्धता, हितग्राहियों तक पँहुच और स्वास्थ्य व्यवहारों की स्थितियों का आंकलन भी किया जाता है, केंद्र भ्रमण एक ऐसा अवसर होता है जब क्षमताओं का हस्तांतरण प्रभावी रूप से कार्यकर्त्ताओं को किया जाता है। इसके बेहतर परिणाम दिखायी देते हैं। प्रतिवेदन में माह फरवरी और मार्च के केंद्र भ्रमण से सेंवाओं और सेवा प्रदाताओं की स्थिति का विवरण दिया गया है।

संयुक्त सेक्टर बैठकों में की गई चर्चा एवं लिये गये निर्णय

सेक्टर	चर्चा	निर्णय
गोरखपुर	• संपूर्ण टीकाकरण पर ऑ.बा. कार्यकर्ता द्वारा सत्र • सालीवाडा केंन्द्र में बच्चों की उपस्थिति कम होना • सालीवाडा में आइ.ई.सी. सामाग्री का उपयोग न होना • केन्द्र मंडवा में आनौपचारिक शिक्षा के हितग्राही की उपस्थिति कम होना • भेडकी केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति में सुधार • तिलेपानी केंन्द्र में आई.ई.सी. सामग्री का उपयोग न होना	• प्रत्येक केन्द्र में मंगल दिवस की माहवार सूची तैयार की जायेंगी • पोषण एवं स्वास्थ दिवस के दिन अन्य बैठक न किया जाना • ऑगनवाडी ग्रेडिंग का केंन्द्र स्तर पर प्रति माह अपडेसन किया जायेंगा • मंगल दिवस में पंचायत का सहयोग अनिवार्य रूप से लिया जाये • गोदभराई के दौरान प्रत्येक हितग्राही की प्रसव योजना अनिवार्य रूप से बनाई जाये
भीमगढ	• संपूर्ण टीकाकरण पर ऑ.बा. कार्यकर्ता द्वारा सत्र • गुधना केंन्द्र में बच्चों की उपस्थिति कम होना • गुधना में आइ.ई.सी. सामाग्री का उपयोग न होना • गुधना प्रसव से एक माह के व्यवहारो में घुटटी, जायफल दिया जाना • संयुक्त ग्रहभेट नियमित न होना पर चर्चा • केन्द्र में आनौपचारिक शिक्षा के हितग्राही की उपस्थिति कम होना • केंन्द्र मे ग्रहभेट का नियमित अपडेसन न होना।	• प्रत्येक केन्द्र में मंगल दिवस की माहवार सूची तैयार की जायेंगी • नियमित ग्रहभेट पंजी के अपडेसन पर्यावेक्षक द्वारा निर्देश दिये गये • गुधना केंन्द्र में सुधार हुआ है। • पोषण एवं स्वास्थ दिवस के दिन अन्य बैठक न किया जाना • ऑगनवाडी ग्रेडिंग का केंन्द्र स्तर पर प्रति माह अपडेसन किया जायेंगा • मंगल दिवस में पंचायत का सहयोग अनिवार्य रूप से लिया जाये • गोदभराई के दौरान प्रत्येक हितग्राही की प्रसव योजना अनिवार्य रूप से बनाई जाये

सेक्टर	चर्चा	निर्णय
गोरखपुर	• शिक्षा सत्रः–पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस • आगनवाडी केन्द्र घोघरी का बंद मिलना • घोघरी मे आई.ई.सी.सामग्री का उपयोग न होना। • चीखली (सेवती, सिमतो, समनवती)की जाच न होना। • फरवरी माह में चिखली,दल्लेटोला,भेडकी)मे टीकाकरण न होना। • चीखली मे हितग्राही द्वारा घुटटी,जायफल दिया दिया जाना। • चीखली मे कोई भी रिकार्ड पूर्ण न मिलना। • युवराज/सूरजलाल 8 माह को सिर्फ डी.पी.टी.प्रथम लगा होना। • पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहार का प्रस्तुतिकरण • लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति पर चर्चा	• गर्भवती महिलाओ की जॉच करने का निर्णय लिया गया। • छुटे हुए केन्द्रो पर टीकाकरण करने का निर्णय लिया गया। • जो बच्चे टीकाकरण से छूट गये है उनका केचअप राऊॅउ के माध्यम से टीकाकरण किया जायेगा। • ए.एन.एम.द्वारा 5 गृहभेंट करने का निर्णय लिया गया। • गोदभराई के दौरान प्रसव योजना बनाने पर निर्णय लिया गया।
देवरीकला	सत्रः–पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस • झिरी के बाजार महोल्ला के 15 बच्चे सेवाओ से वंचित रहना • मुडरई मे शारदा/रामकेश 8 माह की गर्भवती की जॉच न होना। • राजुमारी/शोभाराम सिंघोडी की गोदभराई न होना। • शिवम/अमृता/गोपाल/द्वारा घुटटी जायफल दिया जाना। • पिपरिया में मंगल दिवस का आयोजन न होना।	• बाजार मुहल्ले के बच्चों को शामिल किया जायेगा। • छूटे हुए हितग्राहियो को मंगल दिवस में शामिल किया जायेगा। • मंगल दिवस की तालिका बनाने पर निर्णय लिया गया। • संयुक्त बैठक में सभी की उपस्थिति अनिवार्य कि गई।
छपारा अ	• जूनापानी केन्द्र बंद मिलना। • केवलारी मे एन.एच.डी.पर पोषण आहार न मिलना। • गृहभेंट पंजी का नियमित उपयोग एव अपडेशन। • सरंडिया मे रिकार्ड की स्थिति मे सुधार पर चर्चा। • कडवी नये केन्द्र पर 80 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति एवं बच्चो का साफ सुथरा होना	• गोदभराई के दौरान प्रसव योजना बनवाने का निर्णय लिया गया। • नियमित गृहभेट एवं पंजी का उपयोग करने का निर्णय पर्यवेक्षक द्वारा दिया गया। • बच्चो की केंन्द्र पर उपस्थिति 60 प्रतिशत से अधिक करने का निर्णय लिया गया। • पक्के ऑगनवाडी केंन्द्रो पर किचन गार्डन बनाने का निर्णय लिया गया।

सेक्टर बैठक ऑकलन

- विगत माह 154 केंन्द्रों मे से 126 केंन्द्रो पर ही पोषण एवं स्वास्थ दिवस आयोजित हुआ, सबसे ज्यादा चमारी सेक्टर प्रभावित हुआ
- देवरी कला, छपारा अ, छपारा ब में एजेंडा अनुसार बैठक नहीं हुई, दोनों विभागों की उपस्थिति नही रही एवं सेक्टर बैठक प्रपत्र का उपयोग नहीं हुआ तथा ए.एन.एम. के साथ रिकार्ड का मिलान नहीं हुआ और न ही ग्रेडिंग किये केंन्द्रों की समीक्षा की गई।
- सभी सेक्टर में ए.एन.एम. के साथ भ्रमण कुल 26 हुए।
- विगत माह 154 केन्द्रों में से 110 केन्द्रों पर पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस का आयोजित हुआ। सबसे ज्यादा गोरखपुर एवं छपारा अ सेक्टर प्रभावित हुआ।
- चार सेक्टर देवरी कला, छपारा अ, छपारा ब, चमारी सेक्टर में संयुक्त बैठक नहीं हो सकी इन सेक्टरो मे एजेंडा अनुसार बैठक, दोनों विभागों कि उपस्थिति, ग्रेडिंग किये गये केन्द्रों की समीक्षा ,और ए.एन.एम. के साथ रिकार्डो का मिलान, सेक्टर बैठक प्रपत्र का उपयोग नहीं हो सका।
- सभी सेक्टरों पर ऑगनवाडी भ्रमण प्रपत्र का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

खंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक BLAC

चर्चा	निर्णय
• बी.एम.ओ. द्वारा शिशु मत्यु मात्र मत्यु एवं जन्म दर कम करने हेतु सत्र लिया गया • संयुक्त ग्रहभेट बढाने पर चर्चा की गई • प्रश्नोत्तरी के माध्यम से जानकारी के स्तर का परियोजना समन्वयक सी. डी. सी. के द्वारा किया गया। • शतप्रतिशत टीकाकरण की स्थिति में सुधार हेतु समुदाय की जागरूकता के लियें समुहिक प्रयास करने पर चर्चा • मिलेनियम डेव्हलपमेंट गोल प्राप्त करने के लिये सामूहिक रणनिति बनाने पर चर्चा • पोषण एवं स्वास्थ दिवस के अवलोकनो का प्रस्तुतिकरण	• संयुक्त ग्रहभेंट को बढाने कहा गया • संयुक्त बैठको की अनिवार्यता बनाये रखने का निर्णय हुआ • गाव स्तर पर किर्यान्वयन हेतु म.बा. वि.,स्वास्थ्य,मिशन,एवं केयर के साथ मिलकर किया जायें • एन.एच.डी. के दिन विटामिन ए अनिवार्य रूप से ले जाने के निर्देश दिये गये।

चर्चा	निर्णय
• एम.पी.डब्ल्यु. के द्वारा गर्भवती महिलाओ कि नियमित जॉच होना। • चिखली सिंगोडी मे गर्भवती महिलाओ की नियमित जॉच न होना। • साल्हेगढ केन्द्र पर 5 वर्ष मे एक शिशु मृत्यु एवं परिवार नियोजन के साणनो का अच्छा उपयोग होना। • वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समिक्षा (नसबंदी,शुगर टेस्ट,निरोध,माला एन.,गर्भावस्था का पंजीयन,टी.टी. ,आयरन,छोटी आयरन,डी.पी.टी.,बी.सी.जी. ,विटामिन ए,डी.टी. एवं सस्थागत प्रसव) • प्रोजेक्ट मुस्कान शिविर देवरी कला मे पर चर्चा। • भ्रमण के अनुसार तीन माह के पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का प्रस्तुतिकरण लेपटाप के काध्यम से किया गया। • बर्रा केन्द्र पर आगनवाडी कार्यकर्ता के अवकाश पर होने की स्थिति पर ए.एन. एम. के द्वारा मंगल दिवस का आयोजन किया गया। • स्वास्थ्य विभाग को डेनिडा के किट मे तीन साल्टर मशीन प्राप्त हुई जिसे आगनवाडी कार्यकर्ता वजन लेने उपलब्ध कराई जा रही है।	• सादक सिवनी एवं चमारी मे होने वाले प्रसव पर जननी सुरक्षा योजना का लाभ दिया जायेगा • शुगर टेस्ट के लिये प्रशिक्षण का निर्णय • केन्द्र पर बी.पी.मशीन लेकर जाने के निर्देश दिये गये। • अप्रैल माह मे अनटाइअ फंड का उपयोग वजन मशीन,बी.पी.मशीन,साल्टर वजन मशीन खरीदा जायेगा यदि किसी पंचायत मे सरपंच प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नही करते तो बी.एम.ओ. के हस्ताक्षर से राशि का आहरण किया जायेगा। • 29 मार्च तक केच अप राउॅड के लिये प्रतिदिन वेक्सिन का वितरण किया जायेगा। • अनटाइड फंड से टी.टी.वेक्सिन खरीदने का निर्णय लिया गया।

प्रभाव

- रोस्टर के आधार पर टीकाकरण हो रहा है।
- प्रसवपूर्व स्वास्थ्य जॉच की शुरूआत हुई है (बीजादेवरी, बारी, खैरनरा, चिखली, दल्लेटोला, भेडकी)
- शुक्रवार को टीकाकरण होने लगा है। (चण्डी, खटकर)
- जननी सुरक्षा योजना का लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है एवं संस्थागत प्रसव में वृध्दि हुई है।

विभागीय समन्वय

महिला एवं बालविकास विभाग	स्वास्थ्य विभाग
• आगनवाडी केंन्द्र गुधना में कार्यकर्ता का न मिलना, 6 माह की गर्भवती महिला की गोदभराई न होना • केंन्द्र खमरिया में सुशीला धात्री महिला को एक माह से पोषण आहार नही मिल रह है रजिस्टर में हाजरी दर्ज है। जुबानटोला के हितग्राही खमरिया में दर्ज नहीं है। • केंन्द्र तुल्फ रैयत ब्रजेश का 8 माह में भी अन्नप्रासन नहीं किया गया, सभी हितग्राही के पास टीकाकरण कार्ड नहीं है। • केंन्द्र झिरी में बाजार महोल्ला के 15 हितग्राही आई.सी.डी.एस. की सेवाओं से छुट रहें है। • 15.02.08 को केन्द्र जूनापानी तथा 22.02. 08 को चण्डी केन्द्र बंद मिलना • केन्द्र चिखली में मंगल दिवस नियमित न होना तथा किसी भी गर्भवती के पास टीकाकरण कार्ड नहीं है। • केन्द्र मुडरई में शारदा की 8 माह में भी गोदभराई नहीं हुई एवं टीकाकरण कार्ड नहीं मिला। • बडपानी सिंगोडी, में हितग्राही द्वारा घुटटी जायफल देना। • पिपरिया मे मंगलदिवसका आयोजन न होना। • साल्हेगढ,खैरनरा मे केन्द्र पर 60 प्रतिशत से कम बच्चो की उपस्थिति का पाया जाना। • तुल्फ रैयत, पायली कला भरगा केन्द्र बंद मिलना। • सिमरिया मे एक वर्ष से गृहभेंट पंजी का न भरा जाना। • खैरनरा मे जन्म दिवस का आयोजन न किया जाना। • बडपानी लाटगाव मे ग्रेडिंग स्थिति में अंतर। • पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का प्रस्तुतिकरण एवं समीक्षा। • भरगा एवं लाठगॉव में 5 दिन से उपस्थिति पंजी का न भरा पाया जाना।	• गुधना अफसाना 7 माह मे भी जॉच नहीं हुई, • देवतामउ मे सरिता 8 माह की गर्भवती महिला की जॉच न होना। • केन्द्र चिखली युवराज 6 माह में मात्र एक टीका डी.पी.टी. का लगा,12.02.2008 को एन.एच.डी. पर ए.एन.एम.का न पहुचना,किसी भी हितग्राही के पास टीकाकरण कार्ड न होना। • तुल्फ रैयत केंन्द्र में गर्भवती महिला की जॉच न होना,टीकाकरण कार्ड न मिलना,अभियान समय से आज तक विटामिन ए न पहुचना। • प्रतापगढ में नवंबर से बडी आयरन न मिलना। • केंन्द्रकमली में एन.एच.डी. पर ए.एन.एम.का न पहुचना गर्भवती महिला की जॉच न होना। • सिंगोडी,चिखली,लाढगाव ,बढपानी मे प्रसव पूर्व जॉच न होना। • पिपरिया मे परिवार नियोजन के अस्थाई साधन एवं आयरन न मिलना। • सिमरिया केंन्द्र मे एन.एच.डी. मे 12 बजे ए.एन. एम./एम.पी.डब्ल्यु का पहुॅचना। • भरगा मे 3 माह से छोटी आयरन ज मिलना। • ए.एन.एम. के द्वारा गृहभेंट न करना(भरगा,सिंगोडी,बडपानी)

पंचायत बैठक ,ग्राम सभा एवं वार्ड सभा में चर्चा एवं निर्णय

वार्ड सभाः—पायलीकलॉ

चर्चा	निर्णय
• पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का पालन न होना जैसे घुटटी,शहद,जायफल दिया जाना,पर्याप्त भोजन न दिया जाना। • वार्ड में 4 बच्चें सामान्य ग्रेड के • प्रसव योजना न बनना। • परिवार नियोजन के साधनो का उपयोग न होना। • 2 वर्ष से व्रध्दि चार्ट अपूर्ण होना।	• मंगल दिवस के दौरान पंच की उपस्थिति अनिवार्य की गई • अन्नकोष का नियमित उपयोग किया जाने कहॉ गया। • गोद भराई के दौरान प्रसव योजना बनाने तय हुआ

ग्राम सभा

ग्राम	चर्चा	निर्णय
मुडरई	• सामान्य ग्रेड के बच्चो का प्रतिशत 45 होना। • हितग्राही द्वारा पोषण आहार केंन्द्र से न ले जाना। • केंन्द्र में बच्चों की उपस्थिति पर्याप्त न होना। • मुंडा टोला के हितग्राही का मंगल दिवस एवं पोषण आहार निति में सामिल न होना। • शारदा 8 माह की गर्भवती को कार्ड न मिलना एवं गोदभराई न होना। • 1से6 माह के व्यवहारो में कमी।	• पंचायत द्वारा सामान्य ग्रेड के बच्चे बढाने हेतु जिम्मेदारी ली गई • बच्चो की उपस्थिति बढाने हेतु सहयोग का निर्णय लिया गया। • मुंडा टोला के हितग्राही को आगामी माह से केंन्द्र की गतिविधियो से जोडा जाने का निर्णय लिया गया। • मंगल दिवस में नियमित पंचायत की भागीदारी सुनिश्चित होंगी। • पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का पालन करवाने के लिये चंचायत प्रयास करेंगी।
माहुलपानी	• सामान्य ग्रेड के बच्चो का प्रतिशत 52 होना। • जीवन की आशा भाग 1,2, का प्रदर्शन। • 1से6 माह के व्यवहारो में कमी। • किचन गार्डन बनाने पर चर्चा • विशेष उपस्थिति सी.इ.ओ.,सी.डी.पी.ओ.,जनपद अध्यक्ष	• किचन गार्डन बनाने एवं इसकी अनिवार्यता की गई। • ग्राम के पोषण स्तर सुधारने के लिये समुहिक रूप से प्रयास करने की बात कहीं गई।

वार्ड सभा

ग्राम	चर्चा	निर्णय
भरगा	• वार्ड कमांक 4 मे कुपोषित बच्चे अधिक होना। • परिवार नियोजन के साधनो का उपयोग न होना। • हितग्रही द्वारा घुटटी जायफल दिया जाना। • आगनवाडी केन्द्र पर वार्ड से बच्चो कि उपस्थिति कम होना।	• छुटे हुए बच्चो को केन्द्र तक भेजने मे वार्ड पंच सहयोग करेगें। • मंगल दिवस पर पंच की भागीदारी रहेगी। • संस्थागत प्रसव करवाने मे सहयोग देगे।
बडपानी	• सामान्य ग्रेड के बच्चो का प्रतिशत कम होना 6/16 • 3 हितग्राही द्वारा घुटटी जायफल दिया जाना। • प्रसव योजना पर चर्चा • आगनवाडी केंन्द्र पर बच्चो की उपस्थिति कम होना। • परिवार नियोजन के साधनो का उपयोग न होना। • ए.एन.एम.द्वारा प्रर्याप्त समय केन्द्र पर न दिया जाना।	• मंगल दिवस मे वार्ड पंच की भगीदारी अनिवार्य रूप से होगी। • मातृ सहयोगनी समिति की सदस्य की जानकारी का स्तर अच्छा है। इनका सहयोग मंगल दिवस पर लिया जायेगा। • ग्राम के सभी प्रसव प्राथमिक केन्द्र चमारी मे करवाया जायेगा।

पंचायत बैठक–लाडगॉव

चर्चा	निर्णय
• बच्चों के वजन में तालिका के आधार पर अंतर होना। • 5 दिवस से उपस्थिति दर्ज न किया जाना। • सामान्य ग्रेड के बच्चो का प्रतिशत मात्र 41 होना। • ए.एन.एम. द्वारा जॉच न किया जाना। • मातृ सहयोगिनी समिति का सहयोग कम मिलना। • परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों का उपयोग कम होना।	• ए.एन.एम. द्वारा जॉच करवाने के लिये बी. एम.ओ. को सूचना दी गई। • बच्चों कि उपस्थिति बढाने हेतु पंचायत द्वारा प्रयास किया जायेगा। • आगामी ग्राम सभा में पोषण एवं स्वास्थ्य विषय पर करने का निर्णय लिया गया।

लखनादौन

आंगनवाडी केंद्रों का भ्रमण

ब्लाक में कुल 23 आंगनवाडी केंन्द्र भ्रमण के दौरान आंकलन किया गया जिसके अनुसार टीकाकरण पंजी–16, वृदिध पंजी–15, ग्रहभेंट पंजी–, जन्म पंजी–21 केंद्रों पर पूर्ण पाई गई एवं प्रचार प्रसार सामग्री का उपयोग –16, मात्र सहयोगिनी समिति की सहभागिता–14,आशा वर्कर का जुडाव एवंसहयोग–15,मंगल दिवस का नियमित आयोजन–,16पंचायत प्रतिनिधियों की सहभगिता –13, पोषण एवं स्वास्थ दिवस नियमित–18 केंन्द्रो में देखी गई।

आंगनवाडी कन्द्र भ्रमण के अनुसार कुल 21 केन्द्र भ्रमण किये गये जिसमें से टीकाकरण पंजी 12 केन्द्रों पर पूर्ण पाई (सनाईडोगरी, उकारपार, निधानी, भिलमा, थावरी, पूर्वा, बैगा पिपरिया में अपूर्ण पाया) वृध्दि पंजी–10 केन्द्रो में पूर्ण थी, (भिलमा, पूर्वा, निधानी, नगदहार, सनाईडोगरी, जमुआ, झामरमाल, उकारपार, में अपूर्ण पाया गया) तथा एक केन्द्र पर उपलब्ध नहीं थी। गृहभेंट पंजी का उपयोग मात्र 10 केन्द्रों पर ही देखा गया (सनाईडोगरी, जमुआ, झामरमाल, उकारपार, गरघटिया, थावरी, निधानी, परवा में उपयोग करवाया गया) आई.ई.सी. सामग्री का उपयोग 12 केन्द्रों पर हो रहा था, (थॉवरी, पुरवा, भिलमा, निधानी, गरघटिया, सनाईडोंगरी, पाथरकाठी, पालका, जमुआ में उपयोग करवाया गया) पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस13 केन्द्रों पर नियमित देखा गया। सनाईडोगरी, पाथरकाढी, निधानी, लालपूर, पलटवाडा, पालका, सुखवाह, उकारपार, में अनियमित है।)

मातृ सहयोगिनी समिति की सहभागिता 12 केन्द्रों पर देखी गई (झामरमाल, उकारपार, बैगापिपरिया, निधानी, गरघटिया में जुडाव नही देखा गया)। आशा कार्यकर्त्ताओं का जुडाव 16 केन्द्रो पर अच्छा देखा गया। (सलैया, नागदहार, सनाइडोंगरी, खडसी एवं पाथरकाढी में आशा कार्यकर्ता का जुडाव नहीं देखा गया) मंगल दिवस का नियमित आयोजन सभी केन्द्रों पर देखा गया किंतु गुणवत्तापूर्ण आयोजन करने की ओर ध्यानाकर्षण करना अति आवश्यक है।

संयुक्त सेक्टर बैठको में की गई चर्चा एवं लिये गये निर्णय

सेक्टर	चर्चा	निर्णय
सिहोरा	• संपूर्ण टीकाकरण पर ऑ.बा. कार्यकर्ता द्वारा सत्र • पर्यवेक्षक द्वारा हेपेटाइटिस टीके की जानकारी • मंगल दिवस के दौरान प्रेमपुर, भालीवाडा में पंचायत प्रतिनिधियों का जुडाव न होना । • केंन्द्र में बच्चों की कम उपस्थिति एवं जल्दी छुटटी दिया जाना। • केंन्द्र स्तर पर आई.ई.सी. का उपयोग कम होना। • प्रति माह बच्चों का वजन न लिया न जाना।	• बच्चो की उपस्थिति बढाने 2 बजे तक केंन्द्र खुला रखने तथा अनौपचारिक शिक्षा देने का निर्णय हुआ। • आई.इ.सी. सामग्री का उपयोग अनिवार्य रूप से करने कहॉ गया। • मंगल दिवस आयोजन को गुणवत्ता पूर्ण बनाने के आदेश दिये गये • प्रतिमाह वजन न करने वाले केंन्द्रो पर कार्यवाही की जायेगी
परासिया	• संपूर्ण टीकाकरण पर ऑ.बा. कार्यकर्ता द्वारा सत्र • केंन्द्र चिपकना की कार्यकर्ता का नियमित न होना, आई.ई.सी. सामग्री का दीमक से नष्ट होना,केंद्र बंद होना, पोषण आहार न बांटा जाना। • केंन्द्र भनेरी, दपकिया, सालीवाडा मे टीकाकरण न होना। • 10 आगनवाडी केंन्द्र पर रिकार्ड अपडेट न होना। • सभी केंन्द्रों की वजन मशीन खराब होना। • संयुक्त ग्रहभेंट हेतु ए.एन.एम.द्वारा पर्याप्त समय न देना।	• अगली बैठक तक रिकार्ड अपडेट कर लेने की बात कार्यकर्ता द्वारा कही गइ। • वजन मशीन दूसरे केंन्द्र से लाकर प्रतिमाह वजन लेना तय हुआ। • संयुक्त ग्रहभेट हेतु ए.एन. एम. के द्वारा प्रर्याप्त समय दिया जायेगा।
आदेगॉव	• मुस्कान प्रोजेक्ट की तैयारी हेतु ए. पी.ओ. द्वारा चर्चा एवं जानकारी। • मात्र एवं शिशु रक्षा कार्ड बाटने की चर्च्रा • ए.एन.एम.के साथ संयुक्त ग्रहभेट करनेे पर चर्चा कल्याणपुर के उदाहरण देकर बताया गया। • प्रशिक्षण के आधार पर कार्यकर्ता द्वारा सुधार लाने पर चर्चा। • बी बी केंद्र भ्रमण के अनुभव।	• मात्र एवं शिशु रक्षा कार्डसभी केन्द्रों को पर्याप्त बांटे जायेगें। • संयुक्त ग्रहभेंट अनिवार्य रूप से कि जाये।

सेक्टर	चर्चा	निर्णय
सनाई डोंगरी	• खडसी केन्द्र का बंद पाया जाना। • पाठादेवरी पंचायत के साथ केन्द्र की देखभाल की चर्चा बताया गया। • एक दिन मे पॉच केन्द्रो में टीकाकरण किया जाना (खैरनरा प्रथम, द्वितीय, जोबा प्रथम, द्वितीय, तृतीय केंन्द्र) • सनाइडोगरी केंन्द्र में अक्टू. माह से 3 ग्रेड के कुपोषित बच्चे की रिर्पोट में न दिखाया जाना। • सनाईडोंगरी केन्द्र की कार्यकर्ता द्वारा केंन्द्र एक एवं दो के बच्चो को लाकर खानापूर्ति करना तथा केंद्र पर प्रचार प्रसार सामग्री का उपयोग न किया जाना।	• खडसी केन्द्र पर्यवेक्षक द्वारा भ्रमण करने का निर्णय लिया। • सनाईडोंगरी कार्यकर्ता पर कार्यवाही करने का निर्णय यदि आठ दिन मे सुधार नही किया गया तो। • प्रचार प्रसार समाग्री का केन्द्र पर प्रदर्शन आठ दिन में पूर्ण करने कहॉ गया।
सिर मंगनी	• पालका केन्द्र की कार्यकर्ता का टिकाकरण के दिन अनुपस्थित रहना। केन्द्र पर मात्र 5 बच्चों की उपस्थिति होना • आगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा गृहभेंट न किया जाना। • 8 व 9 माह की गर्भवती महिलाओं की गोदभराई करना। • केन्द्र खेरे का एक बजे बंद पाया जाना।	• आंगनवाडी केन्द्र का संचालन नियमित एवं पूरे समय तक लगाने कहा गया। • केन्द्र संचालन सही रूप से न करने वाली कार्यकर्ताओ का मानदेय काटा जायेगा। • किसी भी गर्भवती हितग्राही की गोदभराई पंजीयन के तुरंत बाद कि जाये देरी किये जाने पर विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

लखनादौन	• सत्रः– पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस • प्रचार प्रसार समाग्री पर चर्चा • रिकार्ड अपडेसन पर चर्चा • मंगल दिवस एवं टिकाकरण दिवस पर पंचायत की भागीदारी पर चर्चा। • पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस पर आशा कार्यकर्त्ता की भागीदारी पर चर्चा। • पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस पर मातृ सहयोगिनी समिति के जुडाव पर चर्चा। • ए.एन.एम/ऑ.बा.का. की संयुक्त गृहभेंट पर चर्चा।	• सभी कार्यकर्ता ने निर्णय लिया गया कि मासिक शिक्षा सत्र को ड्राईंग में केन्द्र पर लगाया जायेगा। • सभी केन्द्रो पर प्रचार प्रसार सामग्री का प्रदर्शन अनिवार्य रूप से किया जाये। • सभी कार्यकर्त्ता अगले 15 दिन में सभी रिकार्ड करके पर्यवेक्षक को दिखायेगी। • पंचायत प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से मंगल दिवस एव टीकाकरण दिवस पर आमंत्रित करना सुनिश्चित करे। • सभी आशा कार्यकर्ताओं के साथ ब्लाक स्तर पर बैठक में चर्चा कर इनके कार्यो की समीक्षा करने का निर्णय एल.एच.व्ही. द्वारा लिया गया। • पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के दौरान मातृ सहयोगिनी समिति को अनिवार्य रूप से जोडने कहा गया। • पर्यवेक्षक महिला बाल विकास एव स्वास्थ्य विभाग के द्वारा के ,ासंयुक्त गृहभेंट को बढाने हेतु रोस्टर तैयार करने कहा गया।
धूमा	• सत्रः–पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस। • केन्द्र पर चार्ट पोस्टर का उपयोग न होना एवं आगनवाडी के रिकार्ड का अपूर्ण मिलना (थॉवरी, निधानी, लालपूर) • मंगल दिवस पर कार्यकर्ता का उपस्थित न रहना एवं मंगल दिवस का आयोजन न होना लालपूर, निधानी • कार्यकर्ता द्वारा गृहभेंट न करना, निधानी, लालपूर • नवजात के पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का पालन न होना, घुटटी जायफल का दिया जाना। • हितग्राहियो के पास टीकाकरण कार्ड उपलब्ध न होना। निधानी, लालपूर	• सभी केन्द्रों पर चार्ट पोस्टर का उपयोग कराया जायेगा। • पर्यवेक्षक के द्वारा मंगल दिवस पर कार्यकर्ता के उपस्थित न रहने पर मानदेय काटने का निर्णय लिया गया। • 15 दिवस के अंदर केन्द्रों के रिकार्ड पूर्ण करने का निर्णय कार्यकर्ता द्वारा लिया गया। • कार्यकर्ताओं की गृहभेंट बढाकर पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो मे सुधार लाया जायेगा। • टीकाकरण कार्ड सभी हितग्राही को प्रदान करने के लिये कहा गया।

सेक्टर बैठक आंकलन

- विगत माह 202 केंन्द्रों मे से 172 केंन्द्रों पर ही पोषण एवं स्वास्थ दिवस आयोजित हुआ,सबसे ज्यादा सिहोरा सेक्टर प्रभावित हुआ
- सिहोरा, सिरमंगनी, सनाईडोंगरी, आदेगॉव, मढी में एजेंडा अनुसार बैठक नहीं हुई, दोनों विभागों की उपस्थिति नहीं रही एवं सेक्टर बैठक प्रपत्र का उपयोग नहीं हुआ तथा ए.एन.एम. के साथ रिकार्ड का मिलान नहीं हुआ, और न ही ग्रेडिंग किये केंन्द्रों की समीक्षा की गई पल्स पोलियो अभियान के कारण स्वास्थ विभाग कि उपस्थिति नहीं रही।
- सभी सेक्टर में ए.एन.एम. के साथ भ्रमण कुल 23 हुए।
- विगत माह 361 केन्द्रों में से 318 केन्द्रों पर पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस का आयोजित हुआ। सबसे ज्यादा सिहोरा सेक्टर प्रभावित हुआ एवं शेष सेक्टर में 4 से 5 केन्द्र प्रभावित हुए हैं।
- चार सेक्टर आदेगॉव, धूमा, नागनदेवरी, गनेशगंज, सेक्टर में संयुक्त बैठक नहीं हो सकी इन सभी सेक्टर में दोनों विभागों कि उपस्थिति नहीं रहे एवं ए.एन.एम.के साथ रिकार्ड का मिलान नहीं हो रहा है।
- 6 सेक्टर में आंगनवाडी भ्रमण के आधार पर चर्चा नहीं की गई (धूमा, नागनदेवरी, गणेशगंज सनाईडोगरी, आदेगाव, मढी)
- सभी सेक्टरों पर आंगनवाडी भ्रमण प्रपत्र का उपयोग नही किया जा रहा है।

खंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक **BLAC**

चर्चा	निर्णय
• बरपानी में पिछले 7 माह से टीकाकरण न होना • तीसरे एवं चतुर्थ ग्रेड के कुपोषित बच्चो की सूची पंचायत को देना एवं सारे बिंदुओं पर सेक्टर स्तर पर चर्चा करना। • सनाईडोंगरी, आदेगॉव सेक्टर में संयुक्त बैठक न होना। • खमरिया गोसाई में ए.एन.एम. को पदस्थ करने पर चर्चा जिससे 9 केंन्द्र में टीकाकरण प्रभावित हो रहॉ है। • मुस्कान शिविर के आयोजन की तैयारी के संबंध में चर्चा	• बी.एम.ओ. के द्वारा ए.एन. एम. को पदस्थ करने का निर्णय लिया गया। • सेक्टर पर्यवेक्षकों ने अनिवार्य रूप से पंचायत को कुपोषित बच्चों की सूची देने का निर्णय लिया। • सनाईडोंगरी की सेक्टर बैठक में स्वास्थ विभाग की उपस्थिति रहेंगी
• नया रोस्टर प्लान तैयार कर लागु करवाया गया। • फिल्ड अवलोकनो के बिंदुओ का प्रस्तुतिकरण • संयुक्त गृहभेंट को बढाने पर चर्चा • आशा कार्यकर्ताओं की टिकाकरण दिवस में उपस्थिति कम होना। • संस्थागत प्रसव में कमी देखे गयें केंन्द्रो पर ध्यान देने पर चर्चा। • ग्राम मुंडा(सहसना) मे दो माह में टीकाकरण होना। • सुरही (सिरमगनी) में विटामिन ए अभियान के दौरान से उक्त दिनांक तक न पहुचना • आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा नियमित वजन न लिया जाना। • पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारों की स्थिति मे सुधार पर चर्चा। • लेपटाप के माध्यम से तिमाही प्रतिवेदन का प्रस्तुतिकरण किया गया।	• पर्यवेक्षेक से टीकाकरण के दिनों की जानकारी लेकर नया रोस्टर प्लान तैयार किया गया। • संयुक्त गृहभेंट हेतु ए.एन.एम. फिर से सेक्टर स्तर पर जानकारी देने कहा गया। • टीकाकरण के दिन ए.एन.एम. को केंन्द्र पर पर्याप्त समय तक रहने के निर्देश देने पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया। • पो.एवं स्वा. व्यवहारों की स्थिति में सुधार हेतु ए.एन. एम./ऑ.बा. को गृहभेंट एवं स्वा.शिक्षा जोर देने कहॉ गया।

प्रभाव ऑकलन

विकास खंड में नया रोस्टर प्लान तैयार किया जा चुका है एवं इसके आधार पर टीकाकरण किया जा रहा है।

- 12 केन्द्र सिहोरा सेक्टर के टीकाकरण से छूट रहे थे इन पर टीकाकरण पूर्ण हो चुका है तथा इन केन्द्रों के लिये स्थाई व्यवस्था के आदेश आ गये हैं।
- सेक्टर स्तरीय संयुक्त बैठको में स्वास्थ्य विभाग कि उपस्थिति में सुधार आ रहा है।
- संयुक्त भ्रमण कार्यक्रम में बढोत्तरी हो चुकी है।
- ए.एन.एम. के गृहभेंट में लगभग 10 प्रतिशत तक कि वृध्दि देखी जा रही है।
- मातृ सहयोगिनी समिति के जुडाव पर विभाग का ध्यानाकर्षण हो रहा है।
- ब्लाक स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं कि बैठक का आयोजन कर इनकी सकियता के लिये प्रयास किया जा रहा है।

विभागीय समन्वय

महिला बाल विकास विभाग	स्वास्थ्य विभाग
• आगनवाडी केंन्द्र चिपकना की कार्यकर्ता का नियमित केंन्द्र न आना साहिका के भरोसे केंन्द्र का संचालन किया जाना, पोषण आहार न बाटना, धनककडी में आई.ई.सी. सामग्री का उपयोग न होना। • पर्यवेक्षक का धनककडी में भ्रमण न होना। • संयुक्त सेक्टर बैठक का नियमित न होना। • मंगल दिवस के दिन नवाचारो का आयोजन न होना लालपूर,निधानी,पलटवाडा • मंगल दिवस के दिन कार्यकर्ता का केन्द्र पर उपस्थित न रहना सलैया,लालपूर • पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का पालन न होना एवं कार्यकर्ता द्वारा गृहभेंट न करना थॉवरी,लालपूर,निधानी, • प्रचार प्रसार समाग्री का उपयोग केन्द्र पर न किया जाना लालपूर, निधानी, पूरवा, नगदहार • मंगल दिवस के दिन पंचायत की भागीदारी न होना। लालपूर, निधानी, थॉवरी, सल्लैया • हितग्राहियो के पास टीकाकरण कार्ड उपलब्ध न होना लालपूर, पुरवा • गर्भवती महिलाओ का पंजीयन से छुटना लालपूर, बैगा पिपरिया। • बैगा पिपरिया केन्द्र में किसी भी गतिविधियों का पालन न होना। रिकार्ड अधूरे मिलना,मंगल दिवस का आयोजन नियमित न होना, केन्द्र का संचालन नियमित न किा जाना। • सनाईडोंगरी केन्द्र कं. 3 केन्द्र का संचालन सही तरीके से न किया जाना • पाथरकाढी केन्द्र की कार्यकर्ता द्वारा केन्द्र पर एक भी रिकार्ड न रखना,केन्द्र पर नियमित उपस्थिति न देना,प्रचार प्रसार समाग्री का उपयोग न किया जाना। • कार्यकर्ता द्वारा एक भी ग्रहभेंट न किया जाना। सनाईडोंगरी, पाथरकाढी	• केन्द्र कल्यानपूर में ए.एन.एम. द्वारा सराहनीय कार्य एवं सहयोग पर चर्चा। • ए.एन.एम. द्वारा धनककडी में पर्याप्त समय न देना एवं स्वास्थ शिक्षा सत्र न लेना। • खूटखमरिया में रोस्टर के आधार पर टीकाकरण ना होना। • आशा कार्यकर्ता को टीकाकरण सत्र में उपस्थित रहने पर चर्चा। • निर्धारित दिवस पर टीकाकरण न होना लालपूर, निधानी, पलटवाडा, सनाईडोंगरी, सुखवाह, पालका, • थावरी, गरघटिया में बी.सी.जी. के बच्चे का छुटना। • टीकाकरण के दिन आशा कार्यकर्ता का सहयोग न मिलना। • पंजीयन एवं टीकाकरण से गर्भवती महिला का छुटना लालपूर • विगत एक वर्ष से जोगीगुफा में गर्भवती महिलाओं की पेट की जॉच व बी.पी. जॉच न होना। • ए.एन.एम. द्वारा गृहभेंट न किया जाना। • आशा कार्यकर्ता द्वारा सहयोग न किया जाना सनाईडोंगरी.3 • सुखवाह ए.एन.एम.द्वारा समय पर न पहुचना कारण वैक्सिन दो बजे पहुचना बताया गया। • एक ही दिन में पॉच केन्द्रों पर टीकाकरण किया जाना जोबा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, खैरनरा प्रथम, द्वितीय।

पंचायत सचिव बैठक

- मंगल दिवस एवं पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस में पंचायतों की सकिय भागीदारी पर चर्चा
- केंन्द्र भ्रमण के अनुभव पर चर्चा
- राना की ग्राम सभा के अनुभव सचिव द्वारा बताया गया
- साल्टर मशीन के लिये आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा आवेदन देने पर चर्चा

पंचायत बैठक ,ग्राम सभा एवं वार्ड सभा में चर्चा एवं निर्णय

वार्ड सभा : चिपकना, धनककडी

चर्चा	निर्णय
• कार्यकर्ता का नियमित केंन्द्र न आना। • ग्राम में 0 बच्चे सामान्य ग्रेड के • 0से6 माह में देखभाल के व्यवहारों का पालन न होना। • प्रसव योजना न बनना। • दो बच्चे तीसरे ग्रेड के जिन्हें कार्यकर्ता द्वारा रिर्पोट में नहीं दिखाया गया।	• मंगल दिवस के दौरान पंच की उपस्थिति अनिवार्य की गई • गोद भराई के दौरान प्रसव योजना बनाने तय हुआ

ग्राम सभा

ग्राम	चर्चा	निर्णय
बखारी	• सामान्य ग्रेड के बच्चो का प्रतिशत कम होना। • हितग्राही द्वारा पोषण आहार केंन्द्र से न ले जाना। • केंन्द्र में बच्चों की उपस्थिति पर्याप्त न होना। • गर्भवती को कार्ड न मिलना एवं गोदभराई न होना। • 1 से 6 माह के व्यवहारों में कमी।	• पंचायत द्वारा सामान्य ग्रेड के बच्चे बढाने हेतु जिम्मेदारी ली गई • बच्चो की उपस्थिति बढाने हेतु सहयोग का निर्णय लिया गया। • सभी हितग्राही को आगामी माह से केंन्द्र की गतिविधियों से जोडा जाने का निर्णय लिया गया। • साल्टर वजन मशीन देना एवं 26 बच्चों के लिये पोष्टिक सत्तु दिये जाने का निर्णय लिया गया। • मंगल दिवस में नियमित पंचायत की भागीदारी सुनिश्चित होंगी। • पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारों का पालन करवाने के लिये पंचायत प्रयास करेंगी।

पंचायत बैठक

ग्राम	चर्चा	निर्णय
सक्कम	• केंन्द्र में बच्चों की उपस्थिति कम होना। • पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस में पंचायत की उपस्थिति। • कुपोषित बच्चों के वजन हेतु साल्टर वजन मशीन की व्यवस्था।	• पंचायत द्वारा सामुहिक प्रयास किया जायेगा। • कोई न कोई पंचायत प्रतिनिधि अवश्य उपस्थित होंगे। • वजन मशीन पंचायत द्वारा दी जायेंगी।
दरगढा	• पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस में पंचायत की उपस्थिति। • केंन्द्र पर बच्चों की बैठक व्यवस्था हेतु दरी की व्यवस्था पर चर्चा। • पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस में पंचायत की उपस्थिति।	• बच्चों की उपस्थिति के लिये वार्डवार पंचों को जिम्मेदारी दी गई।
सागई	• सामान्य ग्रेड के बच्चों की संख्या मात्र 30 प्रतिशत होना। • केंन्द्र पर बच्चों की उपस्थिति बढाने पर चर्चा। • पोषण आहार की व्यवस्था पर निगरानी पर चर्चा। • केन्द्र का संचालन विधिवत न होना	• सरपंच के द्वारा निगरानी की जिम्मेदारी ली गई ।
बैगा पिपरिया	• मंगल दिवस पर पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा • टिकाकरण के दिन बच्चो को केन्द्र तक पॅहुचाने पर चर्चा • नवजात शिशु के स्वास्थ्य व्यवहारों पर चर्चा • उपरी आहार की मात्रा गुणवत्ता एवं बारंबारता पर चर्चा • संस्थागत प्रसव, नियमित वजन तथा एवं कुपोषण विषय पर चर्चा।	• मंगल दिवस एवं पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के दिन वार्ड पंच की उपस्थिति नियमित रहेगी। • टीकाकरण एवं मंगल दिवस के दिन हितग्राही एवं बच्चो को स्वयं भेजने का निर्णय लिया गया। • बच्चों का नियमित वजन करवाने का निर्णय हुआ। • बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिये मात्रा, गुणवत्ता एव बारंबारता के आधार पर भोजन देने का निर्णय लिया गया।

पंचायत बैठक

ग्राम	चर्चा	निर्णय
खडसी	• आगनवाडी केन्द्र का बंद पाया जाना। • कार्यकर्ता द्वारा नियमित केन्द्र पर न आना। • कार्यकर्ता द्वारा गृहभेंट न करना। • सरपंच सचिव के द्वारा चर्चा एवं केन्द्र की समीक्षा करने के लिये सुझाव।	• सरपंच सचिव के द्वारा खंडसी के आलावा पाठादेवरी पंचायत के अन्य केन्द्रो की समीक्षा एवं कुपोषण के स्तर की जानकारी लेने की बात कही गई। • सभी केन्द्रों पर सरपंच/सचिव के न पहुच पाने पर वार्ड पंचो के माध्यम से देखरेख एवं जानकारी लेने की बात कही गई। • वार्ड पंचो द्वारा एकमत से सहमति एवं खडसी केन्द्र के देखरेख की बात कही गई।
भंडारदेव	• अनौपचारिक शिक्षा के बच्चो की कम उपस्थिति। • कार्यकर्ता के द्वारा गृहभेंट न करना। • मातृ सहयोगिनी समिति की आगनवाडी मे भागीदारी पर चर्चा • पंचायत प्रतिनिधियो को पोषण एवं स्वास्थ्य विषय कि जानकारी दी गई। • ग्राम स्तर पर संयुक्त भ्रमण को बढावा देने पर समझ बनाई गई	• व्यवहार परिवर्तन करने के लिये पंचायत प्रतिनिधी, मातृ सहयोगिनी समिति, आशा कार्यकर्ता मिलकर संयुक्त भ्रमण करने का निर्णय लिया गया। • मंगल दिवस के दौरान सभी की उपस्थिति बढाने के लिये आगामी माह से पंचायतों के द्वारा प्रयास किया जायेगा। • केन्द्र पर बच्चों की उपस्थिति बढाने में सहयोग, पोषण आहार की निगरानी • बच्चों में स्वच्छता बढाने के लिये पालको को समझाईश देना तय हुआ

ग्राम सभा

ग्राम	चर्चा	निर्णय
निधानी	• मंगल दिवस और बच्चों की उपस्थिति पर चर्चा • कुपोषण पर वृध्दि चार्ट कलेंडर से चर्चा • पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस पर पंचायत कि उपस्थिति पर चर्चा • सुरक्षित प्रसव एव संस्थगत प्रसव पर चर्चा। • आगनवाडी केंद्र पर वजन मशीन साल्टर पर चर्चा	• पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रतिमंगल दिवस एव पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के दौरान रहेगी। • बच्चों में पोषण स्तर को सुधारने के लिये मात्रा गुणवत्ता एवं बारंबारता के संबंध मे ग्राम सभा कि बैठक मे चर्चा कि जायेगी • संस्थगत प्रसव करवाने में पंचायत का पूर्ण रूप से सहयोग रहेंगा। • साल्टर वजन मशीन की व्यवस्था जल्द से जल्द किया जायेगा।

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

चर्चा	निर्णय
• क्षमता विकास एच.आई वी./एडस पर पापुलेशन फाउंडेशन के द्वारा। • स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा। (जननी सेवा,जनन एक्सप्रेस, दीनदयाल, एन.आर.एच.एम.) • लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समीक्षा • एन.एच.डी. अवलोकन के बिंदुओं का केयर द्वारा प्रस्तुतिकरण। • बी.एम.ओ. घंसौर के द्वारा एन.एच.डी. भ्रमण के अनुभव रखे गये। • जिला स्तरीय स्वास्थ्य मेले के आयोजन की कर्ययोजना पर चर्चा। • महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों के द्वारा किये गये भ्रमण पर की गई कार्यवाही की समीक्षा। • आगामी माह से महिला बाल विकास विभाग के द्वारा किये गये भ्रमण का बिंदुवार प्रस्तुतिकरण पर चर्चा	• एच.आई.वी. के प्रति जागरूकता लाने के लिये कार्ययोजना तैयार की गई। • मार्चमाह के अंत तक विभिन्न योजनाओं मे प्रगति लाये विशेषतः घंसौर ब्लाक। • टीकाकरण दिवस के दिन ए.एन.एम. का केन्द्र पर प्रर्याप्त समय सुनिश्चित करवाया जाये। • टीकाकरण दिवस के दिन सभी टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। • जननी एक्सप्रेस का लाभ न लेने वाले हितग्राही के प्रेरक के मानदेय मे से जननी एक्सप्रेस की राशि कम करके दी जाये। • 29 एवं 30 मार्च को सभी विभाग के लाने मे सहयोग करेंगे। • स्वास्थ्य विभाग प्रचार प्रसार की व्यवस्था करेगा। • परियोजना अधिकारी पर्यवेक्षकों से भ्रमण अवलोकन लेकर 15 फॉलोअप भ्रमण कर भ्रमण में पाई गई भिन्नता को प्रस्तुत करेगें साथ ही पर्यवेक्षकों एव परियोजना अधिकारी के भ्रमण का एकजाई अवलोकन एवं कार्यवाही से अवगत करायेंगे। 1.कितने दिन भ्रमण किया गया। 2.कितने केन्द्रो का निरिक्षण किया गया। 3.कितने प्रतिशत उपस्थिति पाई गई। 4.क्या परियोजना अधिकारी द्वारा 15 दिन का भ्रमण किया गया है। 5. सी.डी. पी.ओ. ने पर्यवेक्षक से क्या भिन्न देखा। 6.पर्यवेक्षक द्वारा कार्यकर्ता पर क्या कार्यवाही की गई है आपने क्या कार्यवाही की है। 7.प्रत्येक माह कार्यवाही की नोटशीट पर जानकारी आना चाहिये।

अन्य प्रयास

- जिला स्तरीय लोक कल्याण शिविर में भागीदारी।
- मुस्कान शिविर के दौरान परामर्श स्टाल के माध्यम से गंभीर कुपोषित बच्चों को व्यक्तिगत परामर्श।
- अन्य ब्लाक फेज आउट 2007 मे परियोजना समन्वयक के द्वारा सेक्टर बैठक एवं खंड स्तरिय समन्वय समिति की बैठक मे उपस्थिति एवं सुझाव।
- आहार प्रदर्शन किये गये केन्द्रों की परिवर्तन स्थिति आंकलन
- मिशन संस्था के सम्मेलन में पोषण एवं स्वास्थ्य पर प्रश्नोत्तरी।
- अंर्तराष्टीय महिला दिवस में जिला स्तर एवं ब्लाक छपारा में भागीदारी एवं नवजात शिशु की देखभाल पर प्रश्नोत्तरी।

चुनौतियॉ

- सेक्टर स्तरीय बैठकों की तिथि में प्रत्येक माह परिवर्तन होना।
- पंचायत सचिव बैठक में तिथि परिवर्तन के कारण ब्लाक समन्वयक की निरंतर उपस्थिति न रह पाना।
- पंचायतीराज व्यवस्थाओं में स्थायी और दृश्यमान परिवर्तन हेतु लंबे और अधिक सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है जिसके अवसर परियोजना में काफी कम हैं। एक या दो हस्तक्षेपों से अधिक परिणामों की अपेक्षा नहीं की जा सकती।
- पूर्व में कार्यरत ब्लाक समन्वयक का फरवरी माह के बाद कार्य छोडना जिसके लिये अन्य ब्लाक समन्वयक की भर्ती किया जाना।
- संस्थागत स्तर पर यह अलग चुनौती है जिसमें परियोजना समाप्ति के चरण में स्टॉफ को सतत बनाये रखना या नये स्टॉफ को नियुक्त करना और परियोजना पर उनकी समझ बनाना आदि।

प्रयास

एकीकृत पोषण और स्वास्थ्य परियोजना के कियांवयन के दौरान समुदाय, विभाग और केंद्र स्तर पर निरंतर हस्तक्षेपों से कई ऐसे अवसर, घटनाएं घटित होती हैं जो प्रेरणा का कार्य करती हैं और सभी को और अधिक प्रभावी रूप से कार्य संपादित करने का बल प्राप्त होता है। संस्था के कार्यकर्त्ताओं ने इस तरह के कुछ प्रयासों, सफलताओं और परिवर्तनों को लिखने का प्रयास किया है जिसे इस प्रतिवेदन में प्रयास के नाम से संकलित किया गया है। अलग अलग स्तरों पर दिखायी देने वाले इन परिवर्तनो में कहीं समुदाय की सार्थक पहल दृष्टिगोचर होती है तो कहीं ग्रामसभा के सामूहिक हस्तक्षेप और कहीं शासकीय विभागों की जवाबदेही जो निश्चित रूप से स्वास्थ्य और पोषण स्तर में आने वाले परिवर्तनों की झलक पेश करते हैं।

परियोजना स्टॉफ ने सीमित अवसरों और संसाधनों के बावजूद समुदाय कुछ ऐसी प्रकियाओं को प्रारंभ किया है जो लोगों को उनके अधिकारों की मांग के लिए रौशनी का कार्य करती हैं जैसे पोस्टकार्ड भेजकर अपनी चिंताओं को जाहिर करना और सेवाओं की मांग करना। जरूरत है इन छोटे छोटे प्रयासों को बल मिले साथ ही प्रयासों को अधिक से अधिक लोगों के बीच बांटा जावे तभी इस तरह के दस्तावेज लाभदायी हो सकते हैं अन्यथा प्रतिवेदनों में सिमट कर ये भी पहले और आखिरी प्रयास साबित होंगे।

प्रसव पूर्व स्वास्थ जॉच सुनिश्चित करवाने का प्रयास

लखनादौन विकास खंड के लखनादौन सेक्टर में ब्लाक समन्वयक के द्वारा भ्रमण के दौरान देख गया कि बुंडवानी ,भिलमा रैयत,सागई, भैरोथान, सारसडोल प्रथम, द्वितीय मडदेवरी में प्रसव पूर्व जॉच एवं ब्लड प्रेशर की जॉच नहीं हो रही थी । इस परिस्थिती को देखकर कु. निशा अवधिया ब्लाक समन्वक के द्वारा समुदाय को इस मूददे से अवगत कराया गया । तत्पश्चात उन्होने बी एम ओ महोदय को पोस्ट कार्ड के माध्यम से सूचित किया । जनवरी माह की खंड स्तरीय बैठक मुददा रखा गया जिसमे निर्णय लिया गया कि फरवरी माह में लखनादौन स्वास्थ पर्यावेक्षक के द्वारा उक्त केंन्द्रो पर पूर्ण जॉच करवा दी जायेगी। उक्त केंन्द्रो पर ए एन एम की नियुक्ति जल्द से जल्द करवा दिया जायेगा

टीकाकरण सत्र की निरंतरता

लखनादौन विकास खंड के नागनदेवरी सेक्टर में ब्लाक समन्वयक के द्वारा सनाईकछार केंन्द्र नवंबर माह में भ्रमण किया गया इस गाव में आदिवासी समुदाय के लोग निवास करते है। भ्रमण के दौरान देखा गया की दस केंन्द्र पर प्रति माह टीकाकरण नही हो रहा था । बच्चों में संपूर्ण टीकाकरण की स्थिति भी अत्यंत कम थी जिससे टीकाकरण के हितग्राही वंचित रह जाते थे । बाल संजीवनी अभियान के दौरान भी ए एन एम के द्वारा न टीकाकरण किया गया और न ही विटामिन ए पिलाया गया। उक्त परिस्थिति को देखकर स्थिति से समुदाय को अवगत कराया गया जिस पर प्रतिकिया स्वरूप बी एम ओ को पोस्ट कार्ड के माध्यम से सूचित किया गया। परिणाम स्वरूप वर्तमान में उक्त केंन्द्र पर विगत दो माह से टीकाकरण नियमित हो रहा है। इस तरह पंचायत एवं समुदाय के सहयोग से टीकाकरण सत्र का आयोजन सफल हो सका।

समुदाय एवं पंचायत के सहयोग से 5 माह में टीकाकरण हुआ

लखनादौन विकास खंड के सिहोरा सेक्टर में खमरिया गोसाइ सेक्सन में अभी तक कोई भी एम पी डब्ल्यु या ए एन एम पदस्थ नहीं है । इस कारण से उपरोक्त क्षेत्र में टीकाकरण नियमित नही है। कभी कभी स्वास्थ विभाग की टीम जाकर टीकाकरण करती है। इसके साथ ही सारसडोल प्रथम, द्वितीय, बगलई, मरहेटी, जामुनपानी, आमई, बटका, हर्रई, खुर्सीपार, मुंडापार आदि में एम पी डब्ल्यु होने की दशा में प्रसव पूर्व जॉच नहीं हो पा रही है। उक्त समस्या से बी एम ओ को अवगत कराया गया। हॉलाकि विभाग उक्त समस्या से अनभिज्ञ नहीं था परंतु कुछ करणवश उपरोक्त समस्या पर ध्यान नही दिया जा रहा था लाइजनिंग के दौरान बी एम ओ ने खमरिया गोसाइ मे एक ए एन एम को पदस्थ करने का निर्णय लिया। साथ ही जिन 10 केंन्द्रो पर प्रसव पूर्व जॉच नहीं हो पा रही है,इसके लिये एक एल एच वी को टीकाकरण के दिन एम पी डब्ल्यु के साथ भेजकर प्रसव पूर्व जॉच करने में सहयोग देने की बात कही गई।उक्त निर्णय फरवरी माह में टीकाकरण सत्र के दौरान लागू किया जायेगा।

खंड स्तरीय समन्वय बैठक मे टीकाकरण समस्या का निराकरण

लखनादौन विकास खंड के सनाईडोंगरी सेक्टर के पाठादेवरी सेक्सन में लिंगपानी प्रथम, द्वितीय का भ्रमण सितंबर 2007 में किया गया था भ्रमण के दौरान पता लगा कि उक्त सेक्सन में पिछले 6 माह से टीकाकरण नही हुआ है। और न ही स्वास्थ विभाग से कोई कार्यकर्ता पँहुचा है, टीकाकरण के साथ साथ गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ जॉच भी नहीं हो पा रही है। छूटे हुए हितग्राहियों के तरफ किसी का ध्यान नही जा रहा था यह एक ज्वलंत समस्या दिखाई रही थी । तदोउपरांत उक्त समस्या को दिनांक 6.10.2007 को खंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में बी . एम. ओ. एवं परियोजना अधिकारी म.बा.वि. वि. के समक्ष उक्त मुददे को रखाकर अति शीघ्र ध्यान देने की बात कही गई। इस समस्या पर बी.एम. ओ. के द्वारा तुरंत निर्णय लेने की बात हुई। पाठादेवरी सेक्सन में ए.एन.एम. मालती दीक्षित को भेजकर एक सिरे से खत्म करने कहॉ गया। अभी की स्थिति में पाठादेवरी सेक्सन मे नियमित टीकाकरण, स्वास्थ जॉच, दवाईयॉ प्रर्याप्त मात्रा में मिल रही है, और स्वास्थ कार्यकर्ता अपने सेक्सन में रहकर पूर्ण ईमानदारी से कार्य कर रहें है।

ग्राम सभा से आया केंन्द्र मे परिवर्तन

दिनांक 26.12.2008 को ग्राम भेडकी सेक्टर गोरखपुर जो की ब्लाक से काफी अंदर का गॉव था का भ्रमण ब्लाक समन्वयक के द्वारा किया गया तथा उक्त दिनांक पर भेडकी में विशेष ग्राम सभा का आयोजन पोषण एवं स्वास्थ्य के मुददे पर किया गया था। ग्राम सभा के पूर्व केंन्द्र भ्रमण किया गया जिसमें केंन्द्र में 4 बच्चे उपस्थित थे एवं केन्द्र एक छोटे से कमरे मे लग रहा था तथा केंन्द्र मे किसी भी तरह के चार्ट पोस्टर का उपयोग नहीं हो रहा था एवं मंगल दिवस का गुणवत्तापूर्ण नियमित आयोजन नहीं हो रहा था, और न ही पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारो का पालन हो रहा था। तत्पश्चात ग्राम सभा का आयोजन किया गया तथा एवं सभी मुददे ग्राम सभा में रखे गये तत्पश्चात सचिव श्री झारिया जी एवं पंच महोदय के द्वारा बताया गया कि ऑगनवाडी भवन निर्माण हो चुका है,सांकल न लगने से केंन्द्र नही लग पा रहा है एवं सचिव के द्वारा एक सप्ताह के अंदर भवन देने की बात कही गई एवं ऑगनवाडी कार्यकर्ता को कार्य में सुधार हेतु कहॉ गया। दिनांक 8.02.2008 को ग्राम भेडकी का फालोअप भ्रमण किया गया जिसमें देखा गया कि केंन्द्र पक्के भवन में लगा हुआ था 20 बच्चे साफ सुथरे बैठे हुए थे तथा आई.ई.सी. सामाग्री का उपयोग हो रहा था तथा पोषण आहार निर्धारित दिवस के आधार पर बन रहा था। इस तरह पंचायत एवं समुदाय के सहयोग से आंगनवाडी कार्यकर्ता के कार्य मे सुधार आया तथा भवन मे केंन्द्र स्थापित हुआ एवं सभी बच्चों को महिला बाल विकास की सेवाएँ मिलने लगी।

प्रयास से मिला अंजली को मिला लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ

ग्राम बक्सी जो की सेक्टर देवरीकला के अंर्तगत आता है जो की छपारा ब्लाक का दूरस्थ एवं आदिवासी ग्राम है। दिनांक 21.01.08 को ब्लाक समन्वयक सी.डी.सी. का भ्रमण हुआ,केन्द्र भ्रमण के पश्चात गृहभेट के दौरान पता चला कि कु. अंजली जिसका जन्म 27.11.2006 हुआ एवं उसकी मॉ का आपरेशन दिसंबर 2006 को हो गया है,एवं पहले का एक लडका है, उस लडकी को लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ नही मिल पा रहा था इसका कारण यहॉ था कि उसके नसबंदी प्रमाण पत्र व अन्य जगह पैसा मॉगा जा रहा था तथा वह गरीब होने के कारण उक्त खर्चा वह वहन नहीं कर पा रही है, एवं ऑगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमति द्रोपती झारिया द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहॉ था। जनवरी 2008 को यहॉ मुददा लाईजनिंग के दौरान महिला बाल विकास के समक्ष रखा गया तथा स्थिति से अवगत कराया गया । माह फरवरी मे पता चला कि अंजली मॉ तुलसिया पिता शिवकुमार का लाडली लक्ष्मी योजना का फार्म पूर्ण कर लिया गया है एवं 22.02.2008 को महिला बाल विकास छपारा को उक्त प्रकरण पंजीयन कर कार्यवाही हेतु जिला भेज दिया गया है। इस तरह अंजली लाडली लक्ष्मी योजना लाभांवित हो सकी।

टीकाकरण पूर्ण करवाने के लिये अतिरिक्त प्रभार

लखनादौन ब्लाक के सिहोरा सेक्टर के खमरिया गोसाई सेक्सन के 10 केन्द्रो में पिछले छः माह से न होना जनवरी माह के भ्रमण से ज्ञात हुआ था तत्पश्चात खंड चिकित्सा अधिकारी से महोदय से चर्चा की गई एवं उक्त सेक्सन मे एक ए.एन.एम. पदस्थ करने की बात कहीं गई थी चूँकि फरवरी माह में भी टीकाकरण न होना एवं ए.एन.एम. पदस्थ न होने के बाद बी.एम.ओ. से बात की गई जिसकी जानकारी बी.एम.ओ. के द्वारा दी गई कि उक्त सेक्सन में ए.एन.एम. को पदस्थ तो नहीं किया गया परंतु टीकाकरण हेतु 2 ए.एन.एम. एवं 1 एम.पी.डब्ल्यु को निम्नानुसार जिम्मेदारी सौप दी गई है। जब तक वहॉ स्थाई तौर पर किसी को पदस्थ नहीं किया जाता तब तक निम्न स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा टीकाकरण किया जायेगा।

क.	ग्राम	ए.एन.एम./एम.पी.डब्ल्यु.	टीकाकरण दिवस
1	खमरिया गोसाई प्रथम,द्वितिय,तृतीय	श्रीमति.एस.डहरिया	प्रथम गुरूवार
2	गंधीला,पहाडगंज	श्री संजू श्रीवास्तव	प्रथम/द्वितिय गुरूवार
3	गोरखपूर,भजिया	श्रीमति. एस.डहेरिया	प्रथम/द्वितिय बुधवार
4	हारगोंदी,बरपानी	श्रीमति.आर.डेहरिया	प्रथम/द्वितिय बुधवार

विगत छः माह से टीकाकरण न होने की दशा मे बी.एम.ओ. महोदय द्वारा लिया गया उपरोक्त निर्णय सहयोगी एवं सराहनीय है।

ए.एन.एम. ने संयुक्त भ्रमण के लिये अलग से दिन निर्धरित किया

शिकारा केन्द्र की ए.एन.एम. ने संयुक्त गृहभेंट हेतु माह का प्रथम शुक्रवार निश्चित कर आंगनवाडी कार्यकर्ता के साथ संयुक्त भ्रमण की शुरूआत की, विगत माह की सेक्टर बैठक में सुनिश्चित किया गया था कि हम गृहभेंट हेतु अलग से समय निकाला करेंगे क्योंकि टीकाकरण के दिन पूर्ण रूप से गृहभेंट नहीं हो पाती । उपरोक्त निर्णय ए.एन.एम. के द्वारा लेकर संयुक्त गृहभेंट शुरू की गई। टीकाकरण दिवस के अलावा अलग से दिन तय कर ए.एन.एम. के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। ए.एन.एम. की गृहभेंट से पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारों में सुधार आना शुरू हुआ है। हितग्राहियों के द्वारा प्रसव किट बनाई जा रही है, नवजात शिशु की देखभाल के व्यवहारों में सुधार देखा जा रहा है इस तरह सभी व्यवहारों मे सुधार दिखने लगा है इस तरह के प्रयास अन्य स्थानों पर दोहराया जाये तो कुपोषण नियंत्रण के प्रयास में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की जा सकती है।

ऑगनवाडी कार्यकर्ता की समझाईश से तृतीय ग्रेड का बच्चा प्रथम ग्रेड में आया

ग्राम सनाईडोंगरी मे दिनांक 8.12.07 को जन्मा बच्चा तुलसीराम/पप्पु का जन्म के समय वजन 1.800 कि.ग्रा. था। जिसकी देखरेख केन्द्र कमांक दो कि कार्यकर्ता चंद्रवती यादव ने बार बार गृहभेंट किया, इलाज के लिये 5–6 बार लखनादौन लाया गया, निरंतर 1–2 दिन में गृहभेंट कर समझाईश दिया गया एवं निरंतर प्रतिमाह वजन लेकर निगरानी की गई जिसके अनुसार फरवरी माह में 3.500 कि.ग्रा. एवं मार्च माह में 4.200 कि.ग्रा. प्रथम ग्रेड में बच्चा आ गया था।

उक्त कार्य हेतु कार्यकर्ता द्वारा अलग से समय एवं पैसा खर्च कर यह कार्य किया गया जबकि उपरोक्त उसके अपने केन्द्र का नही है फिर भी पूरे सर्मपण के साथ देखभाल कर बच्चे के पोषण स्तर मे सुधार लाया जो एक सराहनीय कार्य है इससे अन्य कार्यकर्ताओं को सीख लेना चाहिये।

तृतीय ग्रेड से द्वितीय ग्रेड मे आई विमलेश्वरी

ग्राम साल्हेगढ सेक्टर चमारी के अंतर्गत 6.1.07 को विमलेश्वरी का जन्म हुआ जन्म के समय यहा बच्ची तृतीय ग्रेड मे कुपोषित थी। आगनवाडी कार्यकर्ता की समझाईश के आधार पर मॉ द्वारा लगातार स्तनपान कराया गया एवं 6 माह बाद विमलेश्वरी का आगनवाडी केन्द्र पर अन्नप्राशन किया गया तथा ऑगनवाडी केन्द्र के द्वारा पोषण आहार दिया जाने लगा साथ ही घर पर बना खाना भी दिया जाने लगा । वर्तमान में विमलेश्वरी द्वितीय ग्रेड में आ चुकी है इसके वजन में निरंतर सुधार आ रहा है मॉ के द्वारा एल.टी.टी. आपरेशन करवाया जा चुका है एवं विमलेश्वरी को वर्तमान में लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ विभाग की तरफ से दिया गया है।

गुंगी मॉ करवा रही है सिर्फ स्तनपान

विकास खंड छपारा के साल्हेगढ जो कि चमारी सेक्टर के अंर्तगत आता है कि एक महिला चमरी/इंदु गर्भवती हुई तो उसने गर्भावस्था के दौरान ब्लेड,धागा,अस्पताल कि पहचान,सूती कपडे तैयार रखे थे वह जन्म से ही गूंगी है अचानक प्रसव पीडा हुई और प्रसव घर पर ही हुआ चूँकि तैयारी पहले से थी इसलिये बच्चे को जन्म के बाद नहीं नहलाया गया, नाल साफ रखी गई, तुरंत स्तनपान बच्चे को कराया गया ।

ऑगनवाडी कार्यकर्ता अंजुम कुरैशी के द्वारा बताया गया कि महिला को जीवन की आशा भाग एक एव दो दिखा कर समझाया गया है 10.03.08 को भ्रमण के दौरान देखा गया कि चमरी बच्चे को सिर्फ स्तनपान करा रही है बच्चे का नाम रोहित रखा गया है। इस तरह कार्यकर्ता एवं समुदाय के प्रयास तथा जीवन की आशा सचित्र पुस्तिका से समझाईश के प्रभाव से गुंगी महिला को गर्भवस्था के दौरान देखभाल एवं नवजात शिशु की देखभाल के व्यवहारों के प्रति जागरूकता बढाने में सफलता प्राप्त की जा सकी।

ब्लाक स्तरीय संयुक्त बैठक मे आई निरंतरता

विकास खंड छपारा में अक्टूबर 2007 के पूर्व से ब्लाक स्तरीय संयुक्त बैठक निरंतर प्रयास करने के बाद भी नहीं हो पा रही थी जिसकी वजह से दोनों विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने में काफी दिक्कत का सामना करना पड रहा था पोषण एवं स्वास्थ्य के मुददों की समीक्षा न होने से ब्लाक की स्थिति में सुधार लाने में एवं समस्या को रखने में दोनों विभागों को दिक्कतों का सामना निरंतर करना पड रहा था।

उक्त स्थिति में सुधार लाने के लिये ब्लाक समन्वयक श्री प्रीतम रजक के द्वारा बी.एम.ओ.एवं सी.डी.पी.ओ. के समक्ष रखा गया इसके पश्चात भी निरंतरता का आभाव देखा गया इसमें निरंतरता बनाने के लिये इस मुददे को जिला

स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में कार्यक्रम अधिकारी केयर सुश्री मीनु भार्गव एवं पयिोजना समन्वयक सी.डी.सी. श्री शेख नासिर द्वारा रखा गया।

परिणाम स्वरूप नवंबर 2007 से संयुक्त बैठक मे निरंतरता आ चुकी है दोनों विभाग साथ मे बैठ कर पोषण एवं स्वास्थ्य विषयो की समिक्षा कर रहे है साथ ही संयुक्त बैठक का दिन चतुर्थ सोमवार निर्धारित हो चुका है बैठक की निरंतरता से विकास खंड मे सुधार दिख रहा है।

<u>आहार प्रदर्शन शिविर से पोषण स्तर मे आया सुधार</u>

दिसंबर 2007 से विकासखंड छपारा एवं लखनादौन विकास खंड मे सेक्टर स्तर पर कुपोषण के वर्ममान स्तर मे कमी लाने एवं सामुदायिक सहभागिता को जोडने के उददेश्य से मार्च 2008 तक दोनों विकासखंडो में कुल 9 आहार प्रदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान ग्राम स्तर पर उपस्थित समुदाय से प्रश्नोत्तरी कर पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारों की जानकारी का स्तर जानने का प्रयास किया गया प्रश्नोत्तरी से उस ग्राम के लोगों की समझ के आधार पर पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारों जैसे गर्भावस्था में देखभाल, नवजात शिशु की देखभाल, एवं उपरी आहार की मात्रा, गुणवत्ता, बारंबारता के विषय पर प्रदर्शन के माध्यम से समझ बनाने का प्रयास किया गया।

ग्राम स्तर पर पंचायत प्रतिनिधि एवं मातृ सहयोगिनी समिति के सदस्यों के माध्यम से गोदभराई, अन्नप्राशन कार्यक्रम करवाकर इनका जुडाव करने का छोटा सा प्रयास संस्था कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया साथ ही आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के द्वारा आयोजित मंगल दिवस कार्यक्रम में गुणवत्ता लाने के लिये इनकी भागीदारी सुनिश्चित की गई।

आहार प्रदर्शन शिविर किये गये केन्द्रों के पोषण स्तर में प्रदर्शन के समय एव वर्तमान स्थिति में आये अंतरो का आंकलन संस्था कार्यकर्ता द्वारा मार्च 2008 में छपारा ब्लाक की स्थिति को देखा गया पॉच केन्द्रों की स्थिति में लगभग सभी केन्द्रों पर सामान्य पोषण स्तर में सुधार देखा गया। जिसे निम्न आंकलन के आधार पर देखा जा सकता है।

आहार प्रदर्शन से केंन्द्रवार आये परिवर्तन

केन्द्र का नाम	अभियान के दौरान	वर्तमान की स्थिति	अंतर
बीजादेवरी	34%	47.54%	+13.54%
तिलीपानी	40%	42.10%	+2.10%
पौंडी	60%	73.01%	+13.01%
देवरीकला.1	25%	34.02%	+9.02%
देवरीकला.2	14%	43.63%	+29.63

महिला की जागरूता से गंभीर कुपोषित बच्चों में आया सुधार

विकास खंड छपारा के गोरखपुर सेक्टर के मंडवा पंचायत के ग्राम सालीवाडा में अमसलाल का परिवार जो गोंड जाति से है निवास करता है । परिवार की आय का स्रोत दैनिक मजदूरी और छोटी सी खेती है, इस परिवार में पहले दो बच्चियों का जन्म पूर्व में हो चुका था। इसके पश्चात इनकी पत्नी रामकुमारी पुनः गर्भवती हुई गर्भावस्था के दौरान ऑगनवाडी की सारी सेवाओं का लाभ लिया एवं स्वास्थ्य एवं पोषण के सारे व्यवहार जैसे 100 आयरन की गोली का सेवन, दो टी.टी. के टीके, पोषण आहार, आराम, आदि व्यवहारों का पालन किया। गर्भावस्था के समय प्रसव पूर्व जॉच से पता नहीं चला था कि जुडवा बच्चे गर्भ में पल रहे है। रामकुमारी ने 21.10.06 को दो जुडवा लडकियों को जन्म दिया इसका प्रसव घर पर ही हुआ जिसे सरोतो बाई प्रशिक्षित दाई के द्वारा कराया गया

जन्म के समय एक बच्ची भारती का वजन 1.800 कि.ग्रा. एव दूसरी सरस्वती का वजन 1.900 कि.ग्रा. था इन्हें जन्म के समय एक घंटे के अंदर स्तनपान कराया गया, 7 दिन तक नहलाया नही, नाल पर कुछ नहीं लगाया गया इस दौरान आंगनवाडी कार्यकर्त्ता के द्वारा प्रतिदिन गृहभेंट देकर समझाईश देते रहा गया कि बच्ची चूंकि तृतीय ग्रेड में कुपोषित पैदा हुई थी इसलिये जल्द से जल्द सुधार आना संभव नहीं था।

बच्ची के बडे होने के साथ साथ इनका टीकाकरण पूर्ण किया गया इसके बाद जब बच्ची छः माह की हो गई तो ऑगनवाडी केन्द्र पर अन्नप्राशन कर उपरी आहार की शुरूआत करने तथा भोजन में तेल का प्रयोग करने की सलाह दी गई, भोजन की मात्रा का विशेष ध्यान दिया गया । परियोजना अधिकारी श्री एल.के. डेहरिया के द्वारा इन बच्चियों का विशेष घ्यान देने के लिये कार्यकर्ता से कहा गया तथा श्रीमति ताराम पर्यवेक्षक के द्वारा इनको बाल शक्ति योजना से लाभांवित करवाने में सहयोग प्रदान किया गया

इन समस्त प्रयासों के फलस्वरूप सरस्वती एवं भारती के कुपोषण के स्तर में परिवर्तन आ चुका है आज दोनों बच्चियों में परिवारिक देखभाल से सामान्य ग्रेड में लाने कि दिशा में प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के प्रयास अन्य बच्चों के लिया जाये तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

4 to 5 Months

ब्लाक	सिर्फ स्तनपान	उम्र के अनुसार टीकाकरण
घंसोर	65	78
सिवनी	78	90
केवलारी	92	81
कुरई	79	98
छपारा	73	98
ळखनादौन	65	81
धनौरा	46	90

6 To 8 Months

ब्लाक	ऊपरी आहार की शुरूआत	अन्न प्राशन मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता		तेल का प्रयोग	आ.बा.का. गृहभेट	ए.एन.एम. गृहभेट
घंसोर	92	68	48	42	66	23
सिवनी	96	58	51	43	69	27
केवलारी	94	69	52	47	48	23
कुरई	93	57	47	43	57	20
छपारा	82	93	53	52	87	12
ळखनादौन	86	68	54	50	64	22
धनौरा	91	69	57	49	62	48

9 to 15 Months

ब्लाक	विधि प्रदर्शन	मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता	तेल	खसरा	विटामिन 'ए'	मेवेन्डाझोल	छोटी आयरन	आ.बा.का. गृहभेट	ए.एन.एम. गृहभेट
घंसोर	27	45	50	96	88	52	50	71	47
सिवनी	90	57	66	92	84	75	75	49	15
केवलारी	35	65	56	100	100	66	72	44	22
कुरई	51	67	56	98	98	24	39	47	22
छपारा	71	84	46	85	85	35	35	87	6
ळखनादौन	39	54	67	79	80	60	56	63	45
धनौरा	66	60	57	77	77	91	96	64	48

ब्लाक	अस्पताल में प्रसव	तुरंत स्तनपान	नवजात को गरम रखना	साफ नाल	वजन	आ.बा.का. गृहभेट	ए.एन.एम. गृहभेट
घंसोर	45	88	88	71	59	59	
सिवनी	73	79	79	72	72	59	
केवलारी	77	84	74	78	68	51	24
कुरई	76	63	76	61	69	61	29
छपारा	84	72	74	53	84	91	21
ळखनादौन	79	80	89	63	84	73	
धनौरा	67	86	71	55	82	53	54

गर्भावस्था

ब्लाक	प्रसव योजना	गोद भराई	टी.टी.	टीकाकरण कार्ड	आयरन	आ.बा.का. गृहभेट	
घंसोर	**57**	**76**	**90**	**89**	**94**	**66**	**35**
सिवनी	**52**	**68**	**96**	**77**	**96**	**66**	**31**
केवलारी	**60**	**69**	**100**	**66**	**100**	**56**	**26**
कुरई	**48**	**73**	**93**	**92**	**62**	**58**	**26**
छपारा	**56**	**87**	**100**	**100**	**95**	**77**	**11**
ळखनादौन	**58**	**82**	**92**	**90**	**95**	**70**	**24**
धनौरा	41	54	69	77	64	43	30

NHD - OBSERVATION												
S.N.	NHD OBSERVATION	Phase out block 08							Phase out Block 07			
		Chhapara			Lakhanadoan				Othar			Total
		Jan	Feb	Mar	Jan	Feb	Mar	Total	Jan	Feb	Mar	
1	NO OF NHD OBSERVE	2	5	5	4	4	4	22			4	4
2	CONDUCT ON SCHDULE/	1	5	5	2	4	4	20			4	4
3	THR DITRIBUTION /Spot Feeding	2	4	3	3	4	3	17			3	3
4	present asha/other worker	1	3	4	4	4	3	18			3	3
5	PRI present on that time	1	0	2	1	4	2	9			0	0
6	CBO/comm-member present	2	1	4	4	4	4	17			1	1
7	AWW/ANM used list	2	2	5	3	1	3	14			2	2
8	USEof count foil	2	3	5	4	4	3	19			4	4
9	CARD issue for new benifises	2	5	3	2	4	3	17			2	2
10	Cheking record by anm	2	5	5	4	4	3	21			2	2
11	Avalibility of register	2	5	5	3	4	4	21			3	3
12	Avalibility of AD syring	2	5	5	4	4	4	22			4	4
	HEALTH SERVICES											
13	Health check up	1	4	5	3	4	4	20			3	3
14	BP	2	3	5	1	3	3	15			2	2
15	TT vaccine	2	5	5	4	4	4	22			4	4
16	IFA	2	5	5	4	4	4	22			2	2
17	ped IFA	1	3	4	1	3	2	13			1	1
18	Weighting	2	3	3	2	4	3	15			3	3
19	Vitamin A	1	0	2	3	3	3	11			2	2
20	COUNSLING/health sesson	2	1	4	2	4	2	13			1	1
21	BCG	2	5	5	0	4	2	16			4	4
22	DPT	2	5	5	4	4	3	21			4	4
23	OPV	2	5	5	4	4	2	20			4	4
24	MEASELS	2	5	5	3	4	3	20			4	4
25	Not avail of vaccine	0	0	0	3	2	2	7			0	0
26	Correct site immu	2	4	3	3	4	2	16			2	2
27	Leave beni-without receive service	0	1	0	0	0	2	3			0	0
28	NO. AWC Droup out Follow-up	2	5	5	2	2	2	16			3	3
	NHD not done on the day							3				3

घंसोर ब्लाक में व्यवहारों की स्थिति

गर्भावस्था

ब्लाक	प्रसव योजना	गोद भराई	टी.टी.	टीकाकरण कार्ड	आयरन	आ.बा. का. गृहभेट	ए.एन.एम. गृहभेट
घंसोर	57	76	90	89	94	66	35
सिवनी	52	68	96	77	96	66	31
केवलारी	60	69	100	66	100	56	26
कुरई	48	73	93	92	62	58	26
छपारा	56	87	100	100	95	77	11
ळखनादौन	58	82	92	90	95	70	24
धनौरा	41	54	69	77	64	43	30

ब्लाक	अस्पताल में प्रसव	तुरंत स्तनपान	नवजात को गरम रखना	साफ नाल	वजन	आ.बा. का. गृहभेट	ए.एन.एम. गृहभेट
घंसोर	45	88	88	71	59	59	21
सिवनी	73	79	79	72	72	59	37
केवलारी	77	84	74	78	68	51	24
कुरई	76	63	76	61	69	61	29
छपारा	84	72	74	53	84	91	21
ळखनादौन	79	80	89	63	84	73	31
धनौरा	67	86	71	55	82	53	54

4 से 5 माह

ब्लाक	सिर्फ स्तनपान	उम्र के अनुसार टीकाकरण
घंसोर	65	78
सिवनी	78	90
केवलारी	92	81
कुरई	79	98
छपारा	73	98
ळखनादौन	65	81
धनौरा	46	90

6 से 8 माह

ब्लाक	ऊपरी आहार की शुरूआत	अन्न प्राशन	मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता	तेल का प्रयोग	आ.बा. का. गृहभेट	ए.एन. एम. गृहभेट
घंसोर	92	68	48	42	66	23
सिवनी	96	58	51	43	69	27
केवलारी	94	69	52	47	48	23
कुरई	93	57	47	43	57	20
छपारा	82	93	53	52	87	12
ळखनादौन	86	68	54	50	64	22
धनौरा	91	69	57	49	62	48

9 से 15 माह

ब्लाक	विधि प्रदर्शन	मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता	तेल	खसरा	विटामिन 'ए'	मेवेन्डाझोल	छोटी आयरन	आ.बा. का. गृहभेट	ए.एन. एम. गृहभेट
घंसोर	27	45	50	96	88	52	50	71	47
सिवनी	90	57	66	92	84	75	75	49	15
केवलारी	35	65	56	100	100	66	72	44	22
कुरई	51	67	56	98	98	24	39	47	22
छपारा	71	84	46	85	85	35	35	87	6
ळखनादौन	39	54	67	79	80	60	56	63	45
धनौरा	66	60	57	77	77	91	96	64	48

परिणाम आधारित कार्ययोजना

स्तर	महिला एवं बाल विकास विभाग	स्वास्थ्य विभाग	पंचायत
ग्राम स्तर	• आगनवाडी कार्यकर्ता के द्वारा सारे हितग्राहियो का पंजीयन एक रजिस्टर मे पंजीयन और नवीनीकरण सुनिश्चित करना। • यहा निश्चित करे की आ.बा. कार्यकर्ता,आशा काय्रकर्ता,मा.सह. समिति,संयुक्त गृहभेंट कर प्रसव पूर्व शिशु के जन्म के तुरंत बादएवं दो साल तक(कुपोषण एवं शिशु मृत्यु दर रोकने हेतु) • एन.एच.डी. का दिन निर्धारित हो और वह नियमित रूप से आयोजित हो। • वार्षिक कलेंडर के अनुसार नियमित नवाचारो का आयोजन केन्द्र पर करना। • विभाग की योजनाओं का प्रचार प्रसार करना(लाडली लक्ष्मी योजना) • कुपोषण के स्तर को जानने हेतु नियमित वजन सुनिश्चित करना तथा फालोअप करना। • गॉव के सभी बच्चो एवं माताओं को सेवा प्रदान करना। *नहीं हो सका* • टीकाकरण से छुटे/छोडे गए बच्चो की सूची तैयार कर मॉग पत्र तैयार करना।	• हितग्राहियो की तीन स्वास्थ्य जॉच सुनिश्चित करना। • विभाग द्वारा संचालित परिवार नियोजन कार्यक्रम,संस्थगत प्रसव आदि का प्रचार प्रसार करना • स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर हितग्राहियो को स्वास्थ्य शिक्षा अवश्य देना। • स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर आशा कार्यकताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करना। *नहीं हो सका* • पर्यावेक्षक कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. के साथ जाकर गृहभेंट को प्रभावी बनाए।	• म.मं.एवं वार्ड पंचो को कुपोषित बच्चो की निगरानी एवं जिम्मेदारी • मासिक बैठको में आ.बा.कार्यकर्ता आशा एवं ए.एन.एम. की उपस्थिति में कुपोषण एवं शिशु मृत्यु की समिक्षा। • ग्राम स्तर पर पोषण एव स्वास्थ्य से संबंधित सभी गतिविधियो में पंचायतो की भागीदारी को सुनिश्चित करना। • स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस की निगरानी करना। • स्वास्थ्य समिति में पोषण एवं स्वास्थ्य के मुददो पर चर्चा एवं स्थिति का आकलन। *नहीं हो सका* • स्वास्थ्य अभिभावको को प्रोत्सहन तथा कुपोषित बच्चो के अभिभावक को सहयोग एवं मार्गदर्शन। • ग्राम सभा मे आ.बा. कार्यकर्ता एवं ए. एन.एम. की उपस्थिति में पोषण एव स्वास्थ्य की स्थिति की समिक्षा ।

स्तर	महिला एवं बाल विकास विभाग	स्वास्थ्य विभाग	पंचायत
सेक्टर स्तर	• मासिक संयुक्त बैठक निश्चित दिन पर हो संयुक्त ब।इको मे तकनीकी सत्रो का आयोजन करना। • प्रत्येक केंन्द्र पर टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु मॉग पत्र तैयार करना एवं संयुक्त बैठक में ए.एन.एम. को प्रस्तुत करना। • ऑगनवाडी केंन्द्र भ्रमण के आधार पर वयवहार परिवर्तन की समिक्षा करना । • गुणात्मक गृहीींअ सुनिश्चित करना तथा इस हेतु कार्यकर्ता को गृहभेंअ डायरी प्रदान करना एवं उन केंन्द्रो की पहचान करना जहॉ गृहभेंट गुणात्मक रूप से नही की जा रही है। • आ.बा. कार्यकर्ता की क्षमता वृध्दि आशा मातृ सहयोगनी समिति की क्षमता वृध्दि कमजोर सेक्टर में। • सेक्टर मिटिंग निर्धारित एजेंडा पर हो कुपोषण ण्वं शिशु मृत्यु ,टीकाकरण कार्यो की केंन्द्रवार विस्तृत समिक्षा • सेक्टर स्तरिय जानकारी प्रपत्र का उपयोग काते हुए पेत्येक केंन्द्र की सेवाओं/योजनाओं से संबंधित आंकडो की विस्तृत जानकारी पर कमजोर आ.बा. की पहचान तथा आगामी माह में उन केंन्द्रो पर भ्रमण सुनिश्चित करना । • चिन्हित पहुच विहिन केंन्द्रो पर निर्धारित कर्ययोजना के अनुसार पो.एवं स्वा. विषय पर कैंम्प आयोजित करना।	• संयुक्त सेक्टर बैठको मे टीकाकरण की समिक्षा तथा आगामी माह हेतु मॉग पत्र प्राप्त करना। • तकनीकी सत्रो के माध्यम से व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना • स्वा. एवं पो. दिवस की समिक्षा • केंन्द्र स्तर पर टीकाकरण कार्ड,वैक्सीन,विटा.ए.,एवं आई.एफ.ए.की गोली,एवं स्वास्थ्य जॉच हेतु लगने वाले उपकरणो की व्यवस्था की कमी वाले केंन्द्रो को चिन्हित करना।	किसी तरह के प्रयास इस स्तर पर संभव नहीं हो सके।